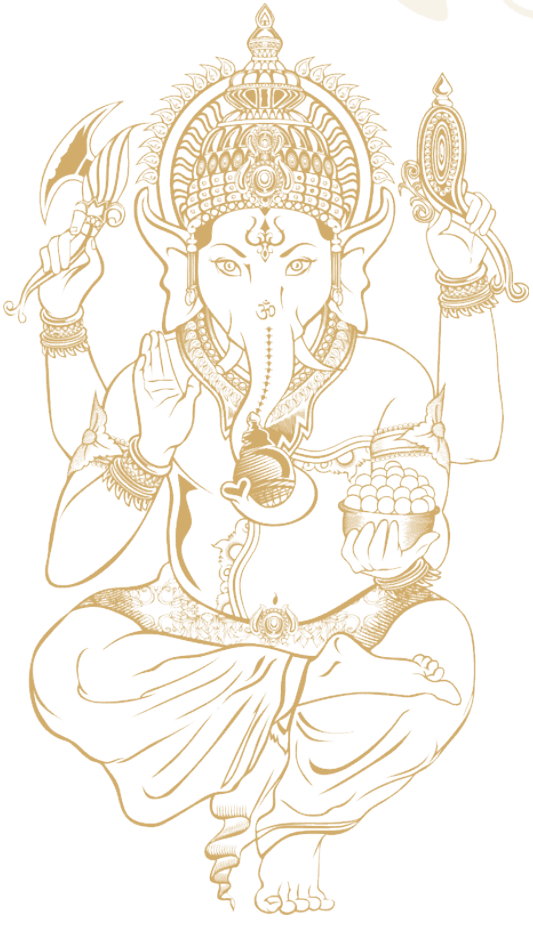

Swati deepak ji

08 Aug 1986

01:55 AM

Kota

Model: web-freekundliweb

Order No: 121182506

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**7-08/08/1986**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**01:55:00 घंटे**
इष्ट	49:57:25 घटी
स्थान	**Kota**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:11:00 उत्तर
रेखांश	75:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:28:52 घंटे
वेलान्तर	-00:05:47 घंटे
साम्पातिक काल	22:33:07 घंटे
सूर्योदय	05:56:01 घंटे
सूर्यास्त	19:07:23 घंटे
दिनमान	13:11:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	21:21:28 कर्क
लग्न के अंश	27:00:36 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	परिघ
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मो-मोहिनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	27:00:36	345:11:05	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	---
सूर्य			कर्क	21:21:28	00:57:31	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	15:48:22	12:55:59	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	मित्र राशि
मंगल	व		धनु	17:53:24	00:03:47	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	मित्र राशि
बुध			कर्क	03:19:02	00:31:37	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
गुरु	व		कुंभ	28:06:07	00:04:52	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
शुक्र			कन्या	06:18:59	01:03:46	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	नीच राशि
शनि			वृश्चि	09:23:43	00:00:04	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	29:27:28	00:07:37	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	सम राशि
केतु	व		कन्या	29:27:28	00:07:37	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृश्चि	24:51:22	00:00:59	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
नेप	व		धनु	09:44:25	00:01:06	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	---
प्लूटो			तुला	11:01:35	00:00:48	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
दशम भाव			कुंभ	12:51:32	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:06

लग्न-चलित

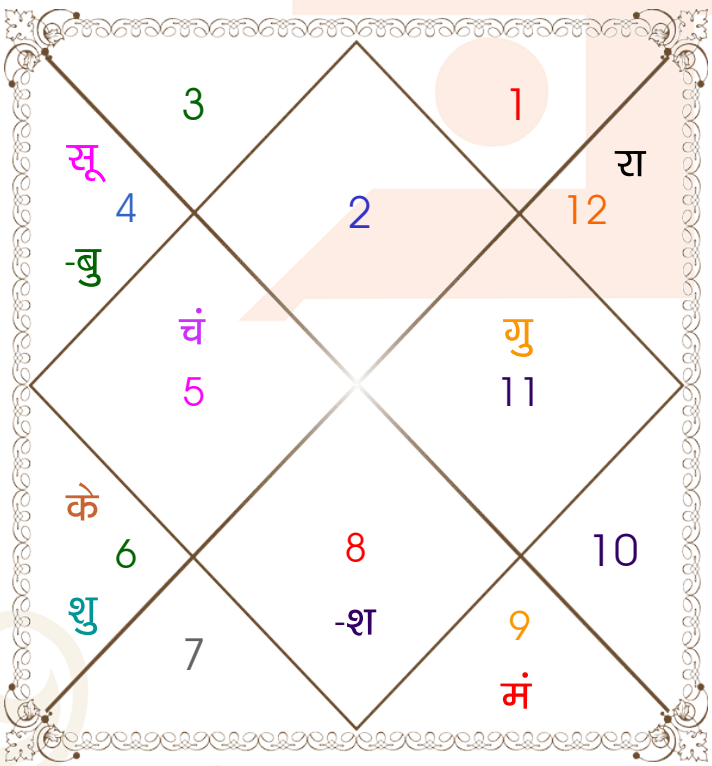

चन्द्र कुंडली

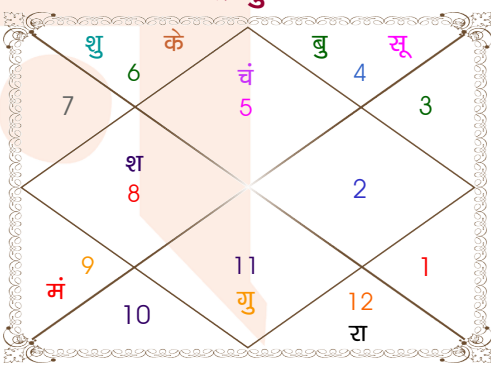

नवमांश कुंडली

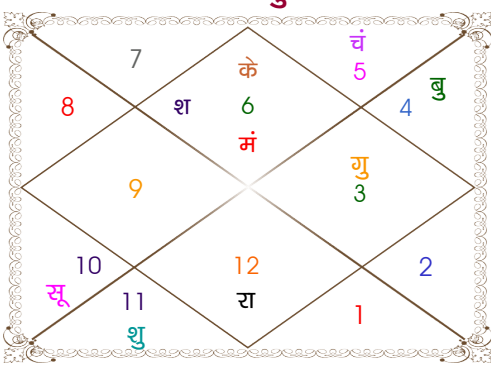

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 16 वर्ष 3 मास 14 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
08/08/1986		22/11/2002		21/11/2008		22/11/2018		22/11/2025	
22/11/2002		21/11/2008		22/11/2018		22/11/2025		22/11/2043	
	08/08/1986	सूर्य	11/03/2003	चंद्र	22/09/2009	मंगल	20/04/2019	राहु	04/08/2028
सूर्य	24/03/1987	चंद्र	10/09/2003	मंगल	23/04/2010	राहु	08/05/2020	गुरु	28/12/2030
चंद्र	21/11/1988	मंगल	16/01/2004	राहु	23/10/2011	गुरु	13/04/2021	शनि	03/11/2033
मंगल	21/01/1990	राहु	10/12/2004	गुरु	21/02/2013	शनि	23/05/2022	बुध	23/05/2036
राहु	21/01/1993	गुरु	28/09/2005	शनि	22/09/2014	बुध	20/05/2023	केतु	10/06/2037
गुरु	22/09/1995	शनि	10/09/2006	बुध	21/02/2016	केतु	17/10/2023	शुक्र	10/06/2040
शनि	22/11/1998	बुध	17/07/2007	केतु	21/09/2016	शुक्र	16/12/2024	सूर्य	05/05/2041
बुध	22/09/2001	केतु	22/11/2007	शुक्र	23/05/2018	सूर्य	23/04/2025	चंद्र	04/11/2042
केतु	22/11/2002	शुक्र	21/11/2008	सूर्य	22/11/2018	चंद्र	22/11/2025	मंगल	22/11/2043

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
22/11/2043		22/11/2059		22/11/2078		22/11/2095		23/11/2102	
22/11/2059		22/11/2078		22/11/2095		23/11/2102		00/00/0000	
गुरु	09/01/2046	शनि	25/11/2062	बुध	20/04/2081	केतु	19/04/2096	शुक्र	24/03/2106
शनि	23/07/2048	बुध	04/08/2065	केतु	17/04/2082	शुक्र	19/06/2097	सूर्य	09/08/2106
बुध	29/10/2050	केतु	13/09/2066	शुक्र	15/02/2085	सूर्य	25/10/2097		00/00/0000
केतु	04/10/2051	शुक्र	12/11/2069	सूर्य	22/12/2085	चंद्र	26/05/2098		00/00/0000
शुक्र	04/06/2054	सूर्य	25/10/2070	चंद्र	23/05/2087	मंगल	22/10/2098		00/00/0000
सूर्य	24/03/2055	चंद्र	26/05/2072	मंगल	20/05/2088	राहु	10/11/2099		00/00/0000
चंद्र	23/07/2056	मंगल	05/07/2073	राहु	07/12/2090	गुरु	17/10/2100		00/00/0000
मंगल	29/06/2057	राहु	11/05/2076	गुरु	14/03/2093	शनि	26/11/2101		00/00/0000
राहु	22/11/2059	गुरु	22/11/2078	शनि	22/11/2095	बुध	23/11/2102		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 16 वर्ष 3 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगी। आप सदैव ही पुरुष तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगी।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगी मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगी।

यद्यपि आप सहज स्वभाव की प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय महिला हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतीं बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाती हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देती हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करती हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करती है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकती हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरस्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुई तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगी। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करती रहेंगी।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुदंर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगी।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहती हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करती हैं। अंततः आपकी महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगी। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगी।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करती रहती हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करती हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति की स्वामी होंगी। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगी। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।